ई-न्यूज
24 न्यूज अपडेट
WebSite.: https://24newsupdate.in
उदयपुर, बुधवार 25 जून 2025
Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com
वर्ष 2 अंक 84

फ्रांसीसी युवती से रेप, आरोपी कास्टिंग कंपनी का मालिक:सलमान-अक्षय के साथ काम किया, पकड़े जाने पर बोला- मेरे साथ हनी ट्रैप हुआ



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर में एड शूट करने आई फ्रांस की युवती से रेप के आरोपी को चित्तौड़गढ़ से गिरफ्तार कर लिया गया है। वह कास्टिंग कंपनी का मालिक है। मूवी से लेकर ऐड, सॉन्ग और सीरियल में कास्टिंग करता है। सलमान खान और अक्षय कुमार जैसे बॉलीवुड स्टार की फिल्मों में कास्टिंग कर चुका है। गिरफ्तारी के बाद आरोपी पुष्पराज उर्फ सिद्धार्थ ओझा (29) ने कहा है कि उसके साथ हनी ट्रैप हुआ है। उसे बॉलीवुड के कुछ लोग फंसा रहे हैं। पुष्पराज चित्तौड़गढ़ के गंगरार तहसील क्षेत्र का रहने वाला है। वह करीब 8 साल से उदयपुर में रह रहा है।

बहाने से अपने फ्लैट पर ले गया

बुधवार को उदयपुर में SP योगेश गोयल ने कहा- कास्टिंग कॉल नाम से आरोपी और उसके सहयोगी की कंपनी है। इस कंपनी ने ही शूट के लिए युवती को हायर किया था। युवती 22 जून को मोबाइल ऐड शूट के लिए उदयपुर आई थी। इसी दिन पिछोला, सज्जनगढ़ फोर्ट और आस-पास के रेस्टोरेंट में शूटिंग की गई। इसके बाद रात को क्रू मेंबर्स ने टाइगर हिल स्थित द ग्रीक फॉर्म एंड रेस्ट्रो कैफे में पार्टी की।

पार्टी के दौरान सिद्धार्थ स्मोक के बहाने फ्रांस की युवती को अपने सुखेर स्थित फ्लैट पर लेकर गया और रेप किया। SP ने दावा किया कि पूछताछ में पुष्पराज ने अपना गुनाह कबूल किया है। सात दिन में पूरी जांच कर कोर्ट में चालान पेश करेंगे। युवती लंबे समय से दिल्ली में रह रही है। राजस्थान में पहले भी आ चुकी है।

फिल्मों में कास्टिंग करवाता

सूत्रों ने बताया कि पुष्पराज उदयपुर के सिटी पैलेस में शूट हुई सलमान खान की मूवी 'प्रेम रतन धन पायो' और होटल रेडिसन में शूट हुई अक्षय कुमार की मूवी 'खेल-खेल में' कास्टिंग की थी। इतना ही नहीं, क्राइम पेट्रोल से लेकर कई सॉन्ग और ऐड के लिए कास्टिंग कर चुका है। वह पिछले दस साल ये काम कर रहा है।

अंबामाता इलाके के होटल में रुकी थी

युवती अंबामाता इलाके के एक होटल में रुकी थी। घटना के बाद युवती को प्राइवेट हॉस्पिटल में भर्ती करवाया गया था। उसकी हालत खतरे से बाहर है। 24 जून को एफआईआर दर्ज की गई थी।

आरोपी बोला- मैंने रेप नहीं किया

पुलिस कस्टडी में एसपी ऑफिस जाते समय पुष्पाराज (आरोपी) जोर-जोर से बोला कि उसने रेप नहीं किया है। मैं बाहर का बंदा हूं। यहां इंडस्ट्री का शूटिंग का काम कर रहा हूं। मेरे को यहां से वापस भेजने की साजिश है। मैंने भागने की कोशिश नहीं की। मैं खुद सरेंडर करने आ रहा था, तो पकड़ा गया।

डेबिट-कार्ड से निकाल सकेंगे PF का पैसा:श्रम-मंत्री बोले इसके लिए PF अकाउंट को बैंक खाते से जोड़ रहे, जुलाई से मिल सकती है सुविधा



24 न्यूज अपडेट

कर्मचारियों को जल्द ही ATM और UPI से सीधे PF का पैसा निकाल सकेंगे। केंद्रीय श्रम मंत्री मनसुख मंडाविया ने मंगलवार को बताया कि इसके लिए कर्मचारियों के PF अकाउंट्स को उनके बैंक खातों से जोड़ा जा रका है।

हालांकि EPFO और केंद्र सरकार ने पैसा निकालने की प्रोसेस को लेकर अभी कुछ नहीं बताया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार सरकार अगले महीने, यानी जुलाई से ये नई सुविधा शुरू कर सकती है।

नई सुविधा के तहत एक तय रकम ही निकाली जा सकेगी। इससे ये होगा कि कर्मचारी इमरजेंसी के लिए पैसे तो निकाल सकेगा, लेकिन रिटायरमेंट के बाद भी पर्याप्त राशि अकाउंट में सुनिश्चित रहेगी।

PF अकाउंट से 72 घंटे में निकाल सकेंगे 5 लाख

अब PF अकाउंट से इमरजेंसी या जरूरत के समय 72 घंटे में 5 लाख तक निकाल सकेंगे। पहले ये लिमिट 1 लाख थी। केंद्रीय मंत्री मनसुख मंडाविया ने 24 जून को इसकी जानकारी दी।

कुल्लू में 3 जगह बादल फटा, 3 लोग बहे वायनाड में भारी बारिश से बाढ़ का अलर्ट, पिछले साल 300 से ज्यादा लोगों की मौत हुई



24 न्यूज अपडेट

हिमाचल प्रदेश में बुधवार को भारी बारिश हो रही है। कुल्लू जिले में 3 जगह सैंज घाटी के जीवा नाला, गढ़सा घाटी के शिलागढ़ और बंजार के होरनगढ़ में बादल फटा। इसके कारण कई जगह बाढ़ की स्थिति बनी है। बाप-बेटी समेत 3 लोग पानी में बह गए।

उधर, उत्तराखंड के हल्द्वानी में बुधवार सुबह एक कार नहर में गिर गई। 7 लोगों में 4 की मौत हो गई। इनमें तीन दिन का बच्चा भी शामिल है।

जम्मू में मंगलवार रात हुई भारी बारिश के चलते तवी नदी उफान पर है। इसमें एक शख्स फंस गया। SDRF के लोगों ने सीढ़ी के सहारे उसका रेस्क्यू किया।

गुजरात के सूरत का अधिकांश हिस्सा बाढ़ की चपेट में है। कई सोसाइटी में पानी भर गया। लोगों को ट्रैक्टर के जरिए रेस्क्यू किया गया। परवत पाटिया इलाके में 5 फीट से ज्यादा पानी भरा हुआ है। यहां बीमार बुजुर्ग को स्ट्रेचर पर लिटाकर पानी से निकालकर एम्बुलेंस तक ले जाया गया। मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और राजस्थान में भी तेज बारिश का अलर्ट है।

केरल के वायनाड के आज सुबह से तेज बारिश हो रही है। चूरलमाला में बाढ़ का अलर्ट जारी किया गया है। पिछले साल मुडक्कई, चूरलमाला, अट्टामाला समेत दूसरे इलाकों में लैंडस्लाइड में 369 लोगों की मौत हुई थी।

CBSE 10वीं की परीक्षा 2026 से 2 बार होगी:पहली परीक्षा कम्पल्सरी, दूसरी ऑप्शनल; अप्रैल-जून में नतीजे, सप्लीमेंट्री खत्म



CBSE (सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन) 10वीं के स्टूडेंट 2026 से साल में 2 बार एग्जाम देंगे। एग्जामिनेशन कंट्रोलर संयम भारद्वाज ने बुधवार को यह जानकारी दी है। नए परीक्षा पैटर्न के मुताबिक, पहली परीक्षा सभी छात्रों के लिए जरूरी होगी और दूसरी ऑप्शनल।

पहली परीक्षा फरवरी और दूसरी मई में होगी। नतीजे अप्रैल और जून में जारी किए जाएंगे। इसके साथ ही सप्लीमेंट्री एग्जाम खत्म कर दिए गए हैं। 12वीं बोर्ड पर अभी यह फैसला लागू नहीं होगा।

दूसरी परीक्षा यानी ऑप्शनल एग्जाम में छात्रों को साइंस, मैथमेटिक्स, सोशल साइंस और लैंग्वेजेस में से किन्हीं 3 सब्जेक्ट में अपनी परफॉर्मेंस सुधारने की इजाजत दी जाएगी।

विंटर बाउंड स्कूलों (सर्दियों में बंद रहने वाले स्कूल) के छात्रों को दोनों परीक्षाओं में से किसी में भी बैठने की इजाजत होगी।

अगर कोई छात्र पहली परीक्षा में 3 या अधिक सब्जेक्ट्स में शामिल नहीं हुआ है, तो उसे दूसरी परीक्षा में शामिल होने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

अगस्त 2024 में तैयार हुआ था ड्राफ्ट

साल में 2 बार एग्जाम कराने का ड्राफ्ट अगस्त 2024 में तैयार किया गया था। इस दौरान शिक्षामंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा था कि जिस तरह स्टूडेंट्स के पास साल में दो साल इंजीनियरिंग कॉलेजों में एडमिशन के लिए जॉइंट एंट्रेंस एग्जाम (JEE) देने का ऑप्शन होता है, उसी तरह स्टूडेंट्स 10वीं के एग्जाम साल में दो बार दे सकेंगे।

मिनिस्ट्री ऑफ एजुकेशन ने पिछले सप्ताह 19 फरवरी को CBSE बोर्ड सचिव और दूसरे शिक्षाविदों के साथ साल में 2 बार बोर्ड एग्जाम कराने को लेकर चर्चा की थी। शिक्षामंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने CBSE, NCERT, KVS, NVS और कई स्कूल पदाधिकारियों के साथ साल में 2 बार परीक्षाएं कराने पर चर्चा की जिसके बाद ये फैसला लिया है।

आज सोने-चांदी के दाम में गिरावट सोना 106 गिरकर 97,157 पर आया, चांदी 1.05 लाख किलो बिक रही



24 न्यूज अपडेट

सोने-चांदी के दाम में आज यानी 25 जून को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार 24 कैरेट सोने का दाम 106 गिरकर 97,157 प्रति 10 ग्राम पर आ गया है। इससे पहले सोना 97,263 पर था।

वहीं चांदी की कीमत 767 कम होकर 1,05,200 प्रति किलोग्राम हो गई है। इससे पहले ये 1,05,967 पर थी। वहीं 18 जून को चांदी ने 1,09,550 और सोने ने 99,454 का ऑल टाइम हाई बनाया था।

दिल्ली: 24 कैरेट सोने की कीमत 99,100 और 22 कैरेट सोने की कीमत 90,850

मुंबई: 24 कैरेट सोने की कीमत 98,950 और 22 कैरेट सोने की कीमत 91,550

कोलकाता: 24 कैरेट सोने की कीमत 98,950 और 22 कैरेट सोने की कीमत 90,700

चेन्नई: 24 कैरेट सोने की कीमत 98,950 और 22 कैरेट सोने की कीमत 90,700

भोपाल: 24 कैरेट सोने की कीमत 99,000 और 22 कैरेट सोने की कीमत 90,750

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में गड़बड़ी वाली याचिका खारिज:बॉम्बे हाई कोर्ट ने कहा- कोई ठोस आधार नहीं, कोर्ट का समय बर्बाद किया



24 न्यूज अपडेट

बॉम्बे हाई कोर्ट ने बुधवार को महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव 2024 में गड़बड़ी को लेकर दायर याचिका को खारिज कर दिया है। कोर्ट ने कहा- याचिका की सुनवाई में कोर्ट का समय बर्बाद हुआ है। हालांकि याचिकाकर्ता पर कोई जुर्माना नहीं लगाया गया है।

जस्टिस जीएस कुलकर्णी और आरिफ डॉक्टर की बेंच ने कहा- इस याचिका में कोई ठोस आधार नहीं है। ऐसे में हम इसे खारिज करते हैं। याचिकाकर्ता ने आरोप लगाया था कि चुनाव में 6 बजे के बाद 75 लाख से ज्यादा वोट पड़े। साथ में चुनाव प्रक्रिया को अवैध घोषित करने की मांग की थी।

क्या है पूरा मामला- वंचित बहुजन आघाडी के नेता प्रकाश आंबेडकर चुनाव में कथित अनियमितताओं के खिलाफ याचिका दायर की थी। वहीं मुंबई निवासी चेतन चंद्रकांत अहिरे ने आरोप लगाया था कि 20 नवंबर 2024 को हुए विधानसभा चुनावों में 6 बजे के बाद असामान्य रूप से बड़ी संख्या में वोट डाले गए, जो चुनावी प्रक्रिया में गड़बड़ी का संकेत है।

याचिका में यह दावा किया गया था कि 6 बजे के बाद 75 लाख से अधिक वोट डाले गए। अहिरे ने कोर्ट से मांग की थी कि राज्य की सभी 288 विधानसभा सीटों पर घोषित चुनाव परिणामों को रद्द किया जाए। साथ ही आरोप लगाया था कि 90 से ज्यादा विधानसभा सीटों में डाले गए और गिने गए वोटों में अंतर है।

चुनाव आयोग बोला- चुनाव परिणाम को चुनौती देने का अधिकार नहीं

चुनाव आयोग की ओर से सीनियर एडवोकेट आशुतोष कुंभकोनी ने कहा- याचिकाकर्ता के पास राज्यभर के परिणामों को चुनौती देने का कोई अधिकार नहीं है। साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि याचिकाकर्ता ने किसी भी विजयी उम्मीदवार को पार्टी नहीं बनाया।

केंद्र सरकार की ओर से एडवोकेट उदय वरुंजिकर ने कहा- यदि किसी को चुनाव प्रक्रिया पर आपत्ति है, तो रिप्रेजेंटेशन ऑफ द पीपल एक्ट के तहत चुनाव याचिका दाखिल करनी होती है, जो कि परिणाम के 45 दिन के भीतर दाखिल की जानी चाहिए। अहिरे ने एक रिट याचिका दाखिल की, वो भी तय समयसीमा के बाहर है।

इजराइल से आज 224 भारतीय नागरिक लौटे



24 न्यूज अपडेट

ऑपरेशन सिंधु के तहत बुधवार सुबह 224 भारतीय नागरिक इजराइल से भारत लौटे। ईरान-इजराइल के तनाव के बीच दोनों देशों से अब तक 3394 भारतीयों को भारत लाया जा चुका है। इससे पहले 24 जून की रात 12.01 बजे 282 भारतीयों को लेकर एक फ्लाइट ईरान के मशहद से दिल्ली पहुंची थी।

उधर, भारतीय दूतावास ने मंगलवार देर रात बताया था कि ईरान से भारतीयों को निकालने के अभियान को बंद कर रहे हैं, क्योंकि दोनों देशों के बीच युद्ध विराम हो गया है। दूतावास ने इवैक्युएशन (लोगों को निकालने) के लिए नए नामों को रजिस्टर करने के लिए खोली गई डेस्क को बंद कर दिया।

हालांकि, X पर एक पोस्ट में दूतावास ने लिखा कि भारत ईरान के हालात पर बारीकी से नजर रख रहा है और अगर वहां मौजूद भारतीयों को किसी भी तरह का खतरा होता है तो हम अपनी रणनीति में बदलाव करेंगे।

भारत ने दोनों देशों के बीच बढ़ती दुश्मनी को देखते हुए, ईरान और इजराइल से भारतीयों को वापस लाने के लिए पिछले हफ्ते ऑपरेशन सिंधु शुरू किया था।

अंतरिक्ष पहुंचकर एस्ट्रोनॉट शुभांशु बोले- व्हाट ए राइड:कहा- कंधे का तिरंगा देश से जोड़े हुए है

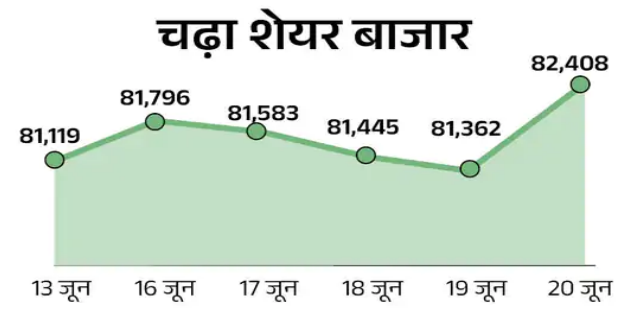


24 न्यूज अपडेट

भारतीय एस्ट्रोनॉट शुभांशु शुक्ला एक्सियम मिशन 4 के तहत आज यानी, 25 जून को इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन के लिए रवाना हुए। उनका ये मिशन पहले 6 बार तकनीकी दिक्कतों के कारण टल चुका था। उनके साथ तीन अन्य एस्ट्रोनॉट भी स्पेस स्टेशन के लिए रवाना हुए। अंतरिक्ष में पहुंचने के बाद शुभांशु ने कहा- व्हाट ए राइड। मेरे कंधे पर लगा तिरंगा बताता है कि मैं आप सभी के साथ हूं। वहीं लॉन्चिंग सफल होने पर शुभांशु के माता-पिता आशा शुक्ला और शंभु दयाल शुक्ला भावुक हो गए। उन्होंने बेटे की सफलता पर ताली बजाकर खुशी जताई।

मिशन भारतीय समयानुसार दोपहर करीब 12:00 बजे फ्लोरिडा में नासा के कैनेडी स्पेस सेंटर से लॉन्च किया गया। स्पेसएक्स के फाल्कन-9 रॉकेट से जुड़े ड्रैगन कैप्सूल में सभी एस्ट्रोनॉट ने उड़ान भरी। ये स्पेसक्राफ्ट करीब 28.5 घंटे के बाद 26 जून को शाम 04:30 बजे ISS से जुड़ेगा।

सेंसेक्स 700 अंक चढ़कर 82,756 पर बंद:निफ्टी भी 200 अंक चढ़ा; NSE के IT, ऑटो और रियल्टी सहित सभी सेक्टर्स चढ़े



24 न्यूज अपडेट

हफ्ते के तीसरे कारोबारी दिन आज यानी बुधवार, 25 जून को सेंसेक्स 700 अंक चढ़कर 82,756 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 200 अंक की तेजी है, ये 25,245 पर बंद हुआ।

सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 26 में तेजी रही। टाइटन, महिंद्रा और इंफोसिस सहित कुल 16 शेयरों में 1-3.75% की तेजी रही। BEL में 1% की गिरावट रही।

निफ्टी के 50 में से 42 शेयरों में तेजी रही। NSE के सभी सेक्टर्स चढ़कर बंद हुए। ऑटो, IT, मीडिया और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 2% तक की तेजी रही।

संपादकीय : विराम अविराम

इजराइल और ईरान के बीच युद्ध विराम पर सहमति की खबर निश्चित रूप से अच्छी बात है। युद्ध को किसी भी रूप में उचित नहीं ठहराया जा सकता। इस युद्ध विराम की सूचना पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दी। उनका दावा है कि उन्हीं के समझाने पर दोनों देश जंग की राह छोड़ने पर तैयार हुए हैं। पिछले बारह दिनों से दोनों देश एक-दूसरे पर विनाशकारी हमले कर रहे थे। हालांकि अमेरिका शुरू से कहता रहा कि इस युद्ध को रोका जाना चाहिए। मगर उसका रुख एकतरफा ही था । वह स्पष्ट रूप से इजराइल के साथ खड़ा नजर आ रहा था । इजराइल को उसका समर्थन पिछले रविवार को तब पूरी तरह स्पष्ट हो गया, जब उसके बंकरभेदी विमानों ने ईरान के तीन परमाणु ठिकानों पर भीषण बम बरसा दिए। उस समय माना जाने लगा कि यह जंग लंबी चलेगी। युद्ध विराम की सूचना ने दुनिया को सुखद आश्चर्य से भर दिया। मगर इसके साथ ही युद्ध विराम के उल्लंघन से एक बार फिर चिंता पैदा हुई है। हालांकि ऐसे कयास लगाए जा रहे थे कि इजराइल अब थक चुका है और ईरान के हमलों को नाकाम करने में विफल हो रहा है, इसलिए वह कदम पीछे खींचना चाहता है । फिर, अमेरिका को भी लग रहा था कि अगर वह इराक की तरह ईरान में भी फंस गया, तो मुश्किलें बढ़ सकती हैं। युद्ध शुरू करना तो आसान होता है, पर उसे समाप्त करना अपने हाथ में नहीं होता। फिर, किसी भी युद्ध के लंबे समय तक चलते रहने का असर न केवल संबंधित देशों की अर्थव्यवस्था पर, बल्कि दुनिया के बहुत सारे देशों पर पड़ता है। ऐसे में इस युद्ध विराम की घोषणा हर तरह से सराहनीय कही जा सकती है। इस युद्ध में कौन सही था, कौन गलत, इसका विश्लेषण तो बहुत हो चुका, इतिहास में भी होता रहेगा, पर अभी इस बात पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है कि यह विराम स्थायी रूप कै से ले । विडंबना यह है कि ट्रंप के युद्ध विराम की खबर देने के बाद भी ईरान और इजराइल ने एक-दूसरे के ठिकानों पर बम फेंके और अभी वे एक-दूसरे को संघर्ष विराम के उल्लंघन का दोषी ठहराने में लगे हुए हैं। इससे यही लगता है कि दोनों के भीतर टीस अभी बनी हुई है। इसे भी समाप्त होना चाहिए। अगर अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप सचमुच शांति के लिए प्रतिबद्ध हैं तो ऐसा वातावरण बनाने की जिम्मेदारी उन्हीं पर अधिक है। पिछले कुछ वर्षों से देखा जा रहा है कि युद्ध में नियम- कायदों और सारी नैतिकता को ताक पर रख दिया जा रहा है । इजराइल इतने समय से फिलिस्तीन में जिस तरह बम बरसा रहा है, उसमें निरपराध स्त्रियों, बच्चों तक की चिंता नहीं की गई, अस्पतालों में बीमार और घायलों की परवाह किए बिना बम गिराए गए, वह युद्ध अपराध की ही श्रेणी में आता है। फिर ईरान के विरुद्ध परमाणु हथियार बनाने के सबूत के बगैर उसने हमला कर दिया। परमाणु विकिरण की परवाह किए बिना अमेरिका ने भी ईरान के परमाणु ठिकानों पर बम गिरा दिए। इसी तरह दुनिया के करीब उनसठ देश किसी न किसी रूप में संघर्षरत हैं। उनमें केवल अपनी ताकत दिखाने की कोशिशें अधिक देखी जा रही हैं। पर, ऐसी स्थितियों को रोकने के मकसद से गठित संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद अब जैसे अप्रासंगिक हो गई है। इसके चलते दुनिया भर में किसी न किसी रूप में प्रभाव पड़ रहा है। अमेरिका महाबली है और अब उस पर यह जिम्मेदारी सबसे अधिक है कि युद्ध की स्थितियों को टालने और रोकने के व्यावहारिक उपाय तलाश करे ।

अपराध का दायरा

दिल्ली में छत से धक्का देकर एक लड़की की हत्या को आम आपराधिक घटना माना जा सकता है, लेकिन इससे यह भी जाहिर होता है कि पिछले कुछ समय से अपराध का दायरा कै से चिंताजनक रूप से फै ल रहा है। खबर के मुताबिक, एक युवक ने लड़की को पांचवीं मंजिल से नीचे धक्का दे दिया और फरार हो गया। इलाज के दौरान लड़की की मौत हो गई। माना जा रहा है कि आरोपी पहले से परिचित था, लेकिन जिस तरह वेश बदल कर वह वहां गया था, उससे उसकी मंशा समझी जा सकती है। घटना की तहें जांच के बाद साफ होंगी, लेकिन इतना तय है कि अगर युवक के भीतर लड़की की हत्या करने का दुस्साहस आया तो इसका एक कारण उसका कानूनी कार्रवाई से बेखौफ होना भी हो सकता है। आमतौर पर ऐसी घटनाओं के बाद पुलिस की नींद देर से खुलती है और शायद यही वजह है कि आपराधिक घटनाओं में कमी नहीं आ पा रही। खासतौर पर महिलाओं के सामने यह चुनौती खड़ी हो रही है कि आपराधिक वृत्ति के युवकों की मनमानी के बीच वे कै से सुरक्षित महसूस करें। क्या यह दिल्ली की कानून-व्यवस्था पर एक सवाल नहीं है ? पिछले कुछ समय से दिल्ली और अन्य शहरों- महानगरों में एक विचित्र स्थिति पैदा हो रही है कि बहुत मामूली बातों पर भी दो लोग या पक्ष आपस में हिंसक टकराव पर उतर आते हैं, जिसमें कई बार किसी की जान चली जाती है। इसके अलावा, एक चिंताजनक पहलू यह है कि प्रेम के नाम पर किसी युवक की मनमानी का विरोध करने या इनकार करने पर लड़की की हत्या तक कर दी जाती है। यह एक ओर कानून-व्यवस्था की विफलता है कि आपराधिक मानस वाले लोगों के भीतर उसका खौफ नहीं दिखता, तो दूसरी ओर यह समाज की भी नाकामी है कि वह लड़कों के भीतर महिलाओं के प्रति जरूरी संवेदनशीलता पैदा नहीं कर पाता। यह ध्यान रखने की जरूरत है कि अगर सरकार और समाज के स्तर पर इस तरह की आपराधिक वृत्ति की रोकथाम के लिए समय पर जरूरी कदम नहीं उठाए गए तो इसका खमियाजा सभी स्तरों पर उठाना पड़ सकता है।

नशेड़ियों, भंगेड़ियों, शराबियों का अड्डा बन गया फुट ओवरब्रिज



24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, उदयपुर। उदयपुर के एमबी अस्पताल के सामने का फुट ओवरब्रिज। उदयपुर में आप इसे मोस्ट अनयुज्ड चीज या फिर मोस्ट आइसोलेटेड प्लेस भी कह सकते हैं। अचरज की बात है कि इतने भीड़भाड़ वाले इलाके में जहां पर सड़क पार करना लगभग नामुमकिन सा हो जाता है वहां पर इस प्रकार का पर्सनल स्पेस और वो भी सरकारी खर्चे पर उपलब्ध है तब तो कहने ही क्या? हम और आप में से कोई विरला ही महान होगा जिसने इस फुट ओवरब्रिज को कभी विजिट किया होगा। क्योंकि हमारी और आपकी आदत तो हॉस्पिटल के गेट से निकल कर ट्रैफिक को चीरते हुए और डिवाइडर के सामने रखे हुए पुलिस के बेरिकेड्स के बीच के खांचे से जगह बनाते हुए सड़क पार करने की है। ऐसे में लाखों का पब्लिक का पैसा खर्च करके बनाया गया यह फुट ओवर ब्रिज अब माइ फुट जितनी औकात भी नहीं रख रहा है। इसका यूज करना तो बहुत दूर की कौड़ी है। बीच सड़क खड़े इस अजूबे को हम और आप तो यूज नहीं कर रहे हैं लेकिन इसका बेस्ट यूज कर रहे हैं हमारे शहर के नशेड़ी, भंगेड़ी, चरसी और गरदुल्ले। इनके लिए यह बीच सड़क बनाई गई मुफ्त की आरामगाह है, मुफ्त का व्यू प्वाइंट है जहां से आने जाने वालों को देखते हुए अपना गम गलत करने का सरकारी इंतजाम है। शहर के स्मार्ट श्वानों की यह पसंदीदा जगह है क्योंकि यहां किसी का इंटरप्शन नहीं है। भिखारियों और कई बार तो अनैतिक काम करने वालों की भी पसंदीदा जगह है। आज हमने सोचा कि हड़ताल से बीमार पड़े अस्पताल को देखने आए हैं तो लगे हाथ उदयपुर के लोगों के टेक्स की कमाई से बने हुए इस पदयात्री मार्ग का अवलोकन भी कर आए। तो हमने भी इस रास्ते के सफर का आनंद लिया। रास्ते में हमें क्या मिला, आप खुद देख रहे हैं। हर सीढ़ी पर गंदगी का अंबार लगा है। बदबू इतनी कि नाक को एयरटाइट करने पर भी यहां पर एक मिनट गुजारना लगभग नामुमकिन हो रहा है। कहीं शराब की बोतलें तो कहें नशे के निशान खुद गवाही दे रहे हैं यहां पर फुर्सत के पलों में ना जाने क्या-क्या हो रहा है। साने के लिए एकाध काम चलाउ बिस्तर का भी इंतजाम है। ऐसा लगता है कि जिला प्रशासन की सारी एनर्जी वंदे गंगा अभियान ने ड्रेन कर ली। बेचारों को फुर्सत ही नहीं मिली कि यहां पर भी झांक कर देखें। शहर में बात तो 24 घंटे सफाई की हो रही है और उसके लिए कलेक्टर साहब चकाचक आयोजन करके हैडलाइन मैनेजमेंट भी कर रहे हैं लेकिन ऐसी जगहों का क्या। भाई पूछता है उदयपुर कि ऐसी जगहों का क्या? कोई है जो इस फुट ओवरब्रिज पर ध्यान देगा, इसकी हालत को सुधारने की कोशिश भी करेगा। कलेक्ट्री से बस कुछ कदम दूर ही है या फुट ओवरब्रिज। कलेक्टर साहब क्योंकि नगर निगम के प्रशासक भी हैं तो वे चाहें तो हॉस्पिटल विजिट के दौरान यहां पर भी अपनी नजरें इनायत कर सकते है। हमारा मानना है कि यह ब्रिज जिस भी महानुभाव की जिद का नतीजा हो, यह था तो एक इंजीनियरिंग का बहुत बड़ा ब्लंडर क्योंकि बरसों हो गए इसका कोई यूज नहीं है। यह बहुत बड़ी सीख भी है कि भविष्य में कोई भी केवल कमिशन के चक्कर में ऐसी गलती ना करे। आपको बता दें कि इसके बनने के बाद से ट्रैफिक पहले के मुकाबले दस गुना बढ़ गया है लेकिन यहां पर 10 लोग भी गिनती के नहीं मिलने जो इसका इस्तेमाल कर रहे हों। अब जबकि दवाइयां हॉस्पिटल कैंपस में ही अवेलेबल है। अधिकतर जांचें भी वहीं हो रही हैं। ऐसे में ऐसी कोई मजबूरी नहीं है कि सड़क पार करके तुरंत और तत्काल जाना पड़े। याने कि यह रास्ता अब सड़क पर और प्रशासन की जेब पर बर्डन बन गया है। इसके बेस्ट यूज का क्या नया तरीका हो सकता है यह तो जिला प्रशासन नही जानें मगर इसे एक्टिव रखने, इसकी देखभाल करते रहने का जिम्मा तो नगर निगम को उठाना ही होगा। देखना है कि यह काम भी हो सकता है या नहीं या फिर खाली पीली बातें ही होती हैं।

बांसवाड़ा में नाबालिग के किडनैपर ने थाने पहुंचते ही ब्लेड से काटा गला, हालत खतरे से बाहर



24 न्यूज अपडेट

बांसवाड़ा, 25 जून। जिले के आनंदपुरी थाना क्षेत्र में एक सनसनीखेज घटना सामने आई है, जहां नाबालिग लड़की के अपहरण के आरोपी युवक ने थाने लाए जाते ही ब्लेड से खुद का गला काट लिया। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए उसे अस्पताल पहुंचाया, जहां उसकी हालत अब खतरे से बाहर बताई जा रही है। आरोपी की पहचान गोपाल (23) निवासी भूंगड़ा थाना क्षेत्र के रूप में हुई है। कॉन्स्टेबल अनिल कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि गोपाल तीन महीने पहले एक नाबालिग लड़की को बहला-फुसलाकर गुजरात के राजकोट ले गया था। लड़की के परिजनों ने आनंदपुरी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी, जिसके बाद पुलिस ने तलाश शुरू की। जिले में चल रहे विशेष अभियान के तहत पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि आरोपी लड़की को लेकर राजकोट में है। इस पर पुलिस टीम ने मंगलवार को राजकोट पहुंचकर नाबालिग लड़की को डिटेन किया और गोपाल को गिरफ्तार किया। बुधवार सुबह जब पुलिस लड़की और आरोपी को लेकर आनंदपुरी थाने पहुंची, उसी दौरान गोपाल ने गाड़ी से उतरते ही अपनी जेब से ब्लेड निकाली और गले पर वार कर आत्महत्या का प्रयास किया। पुलिसकर्मियों ने तत्परता दिखाते हुए ब्लेड छीनी और उसे तुरंत आनंदपुरी सीएचसी ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे बांसवाड़ा के एमजी हॉस्पिटल रेफर किया गया। फिलहाल उसका वहीं इलाज जारी है और उसकी स्थिति स्थिर है। घटना की जानकारी थानाधिकारी कपिल पाटीदार ने एसपी हर्षवर्धन अगरवाला को दे दी है। वहीं, पुलिस मामले की जांच के साथ यह भी पड़ताल कर रही है कि आरोपी के पास ब्लेड थाने तक कैसे पहुंचा। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं।

चित्तौड़गढ़ के कामाख्या मंदिर में अंबुबाची महोत्सव, श्रद्धालुओं की उमड़ेगी भीड़



24 न्यूज अपडेट

चित्तौड़गढ़। चित्तौड़गढ़-कोटा मार्ग स्थित स्वयंभू माँ कामाख्या बद्रीनाथ योग मंदिर में अंबुबाची महोत्सव श्रद्धा और तांत्रिक परंपरा के साथ मनाया जा रहा है। मां बगलामुखी और मां कामाख्या की दिव्य शक्तियों से जुड़ा यह मंदिर भक्तों की आस्था का केंद्र है, जहां सच्चे मन से की गई आराधना से मनोकामनाएं पूर्ण होने की मान्यता है। पीठाधीश्वर श्री श्री रोहित गोपाल सूत जी महाराज ने बताया कि अंबुबाची पर्व मां के मासिक धर्म चक्र का प्रतीक है। इस दौरान मंदिर के कपाट तीन दिन बंद रहते हैं, जिन्हें 26 जून को विशेष पूजन और वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ खोला जाएगा। इसके बाद यज्ञ, स्नान और आरती से मां का पूजन होगा। देशभर से श्रद्धालु यहां पहुंच रहे हैं, जिन्हें विश्वास है कि नियमपूर्वक इस पर्व में भाग लेने से सभी इच्छाएं पूर्ण होती हैं। महोत्सव प्रकृति और शक्ति की आराधना का अद्भुत संगम है।

आपातकाल के सेनानियों का सम्मानः अधिवक्ता परिषद ने वरिष्ठ अधिवक्ताओं को किया सम्मानित



24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, उदयपुर। उदयपुर। अधिवक्ता परिषद उदयपुर के तत्वावधान में मंगलवार को आपातकाल (25 जून 1975) के दौरान न्यायिक अभिरक्षा में रहे एवं यातनाएं सहने वाले तीन वरिष्ठ अधिवक्ताओं – शांति लाल चपलोत, खुबीलाल सिंघवी एवं ऋषभ जैन – का जिला न्यायालय परिसर में सम्मान किया गया। कार्यक्रम में अधिवक्ता परिषद के संयोजक मनीष शर्मा, जिला अध्यक्ष महेंद्र ओझा एवं जिला महामंत्री सहित परिषद के अन्य पदाधिकारियों ने तीनों अधिवक्ताओं को माला पहनाकर एवं ऊपरना उड़ाकर सम्मानित किया। मनीष शर्मा ने बताया कि 25 जून 1975 को देश में जब आपातकाल लागू हुआ, उस दौरान लोकतंत्र की आवाज उठाने वाले अनेक अधिवक्ताओं को गिरफ्तार कर जेल में डाला गया और अमानवीय यातनाएं दी गईं। उन्हीं में से ये तीन अधिवक्ता रहे, जिन्होंने न केवल आपातकाल का साहसपूर्वक सामना किया, बल्कि बाद में वकालत और सामाजिक जीवन में भी प्रमुख योगदान दिया। शांति लाल चपलोत ने बाद में विधायक, सांसद एवं राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष के रूप में भी सेवा दी। खुबीलाल सिंघवी और ऋषभ जैन ने विहिप एवं आरएसएस से जुड़कर समाजसेवा एवं वैचारिक क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किए। इस अवसर पर पूर्व बार अध्यक्ष रामकृपा शर्मा, वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश मोगरा, मांगीलाल जैन, अपर लोक अभियोजक प्रेम सिंह पंवार, गोपाल पालीवाल, किशोर न्याय बोर्ड के न्याय मित्र हरीश पालीवाल, सत्येंद्र पाल सिंह छाबड़ा, जगदीश खेरलिया, हनीफ खान, शिव उपाध्याय, वीरेंद्र सिंह सहित अनेक अधिवक्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम के माध्यम से अधिवक्ता परिषद ने लोकतंत्र के संघर्षशील प्रहरी रहे अधिवक्ताओं को स्मरण करते हुए भावभीनी श्रद्धांजलि दी और नई पीढ़ी को संविधान, स्वतंत्रता और न्याय के मूल्यों के प्रति सजग रहने का संदेश भी दिया।

82 लाख की ठगी का खुलासाः साइबर ठगों को बैंक खाते उपलब्ध करवाने वाले दो आरोपी गिरफ्तार



24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, डूंगरपुर। जिले की साइबर थाना पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए ऑनलाइन ठगी करने वाले गिरोह को बैंक खाते उपलब्ध करवाने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह गिरोह अब तक करीब 25 से 30 फर्जी बैंक खाते ठगों को सौंप चुका था। इसी जालसाजी में एक खाते में 82 लाख रुपए की संदिग्ध राशि ट्रांसफर होने के बाद पूरे मामले का खुलासा हुआ। थानाधिकारी गिरधारीलाल ने बताया कि बथड़ी निवासी लालशंकर रोत ने 19 जून को रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। रिपोर्ट के अनुसार, नवम्बर 2024 में गांव का ही विक्रम मालीवाड़ अपने तीन साथियों के साथ घर आया और पैन कार्ड स्कीम के नाम पर बैंक खाता खुलवाने को कहा। लालशंकर के नाम से बैंक ऑफ महाराष्ट्र में खाता खोला गया, लेकिन एटीएम, पासबुक, चेक बुक और सिम कार्ड आरोपी अपने पास रख ले गए। कुछ दिन पहले लालशंकर जब बैंक गया तो पता चला कि उसके खाते में 82 लाख रुपए की संदिग्ध ट्रांजैक्शन हुई है, जिस कारण खाता फ्रीज कर दिया गया। इसके बाद उसने विक्रम मालीवाड़, महावीर सिंह, घनश्याम कलाल और बैंककर्मी कौशल प्रजापत के खिलाफ धोखाधड़ी की रिपोर्ट दी। 25-30 खाते फर्जीवाड़े में इस्तेमाल, ठगों को खाते बेचते थे पूछताछ में आरोपियों ने खुलासा किया कि उन्होंने गरीब, ग्रामीण और अनपढ़ लोगों को पैन कार्ड या लोन दिलाने का लालच देकर उनके नाम से बैंक खाते खुलवाए और फिर ठगों को ऊंचे कमीशन पर बेच दिए। इन खातों का इस्तेमाल ऑनलाइन फ्रॉड में किया गया।पुलिस ने फिलहाल विक्रम मालीवाड़ और महावीर सिंह को गिरफ्तार किया है। दोनों से पूछताछ जारी है, जबकि अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है।

8 लोगों से की 1.61 करोड़ की ऑनलाइन ठगी

थानाधिकारी ने बताया कि अब तक की जांच में सामने आया है कि इन खातों के जरिए देशभर में 8 लोगों से 1 करोड़ 61 लाख 19 हजार 919 रुपए की ठगी की गई। अकेले लालशंकर के खाते में ही 82 लाख रुपए ट्रांसफर किए गए थे। पुलिस इन खातों के लेन-देन की जांच कर रही है।

ठगों के नेटवर्क की तलाश में पुलिस

पुलिस ने आशंका जताई है कि यह कोई स्थानीय धोखाधड़ी नहीं, बल्कि अंतरराज्यीय साइबर ठगों का संगठित नेटवर्क हो सकता है। साइबर थाना पुलिस अब इन खातों के माध्यम से ठगों के मास्टरमाइंड और पूरे गिरोह तक पहुंचने की कोशिश कर रही है।

भीलवाड़ा के मांडल में अवैध बजरी खनन पर पुलिस रेडः2000 टन बजरी स्टॉक जब्त किया गया; टीम ने 3 आरोपियों को पकड़ा



24 न्यूज अपडेट

भीलवाड़ा के मांडल में पुलिस ने अवैध बजरी खनन और परिवहन के खिलाफ कार्रवाई की है। मांडल पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर इनकी निशानदेही पर 2000 टन बजरी स्टॉक जब्त किया है।

थाना प्रभारी विक्रम सिंह ने बताया- एसपी धर्मेंद्र सिंह के निर्देशन में लगातार अवैध बजरी खनन और परिवहन रोकने के लिए कार्रवाई कर रहे हैं। 15 जून को माइनिंग इंजीनियर श्रवण ने बजरी से भरे दो डंपर,एक जेसीबी मशीन, दो पोकलेन, बजरी से भरी एक ट्रैक्टर ट्रॉली को अवैध खनन करते मौके से जब्त कर 128 टन बजरी का स्टॉक पकड़ा था। एमएमडीआर एक्ट में मामला दर्ज किया गया था।

इस मामले में कमलेश (27) पुत्र देवीलाल खटीक निवासी बागोर, भंवरलाल (27) पुत्र बक्षु गाडरी निवासी मांडल, शंकर लाल (56) निवासी मांडल को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने इनकी इन्फॉर्मेशन पर अवैध बजरी का करीब 2 हजार टन स्टॉक जब्त किया है।

ये थे टीम में शामिल

कार्रवाई के दौरान मांडल थाना प्रभारी विक्रम सिंह, हेड कॉन्स्टेबल पांचू लाल, कॉन्स्टेबल सांवर, सत्यवीर और गिरिराज शामिल रहे।

लखनऊ सेक्स रैकेट कांड में बड़ा खुलासाः 49 साल की लोला ने 7 बार कराई प्राइवेट पार्ट की सर्जरी, 29 की दिखने का था जुनून



24 न्यूज अपडेट

लखनऊ। शहर में हाल ही में उजागर हुए सेक्स रैकेट कांड में चौंकाने वाले खुलासे सामने आ रहे हैं। रैकेट की सरगना लोला कायूमोवा ने 49 साल की उम्र में 29 साल की दिखने के लिए सात बार प्लास्टिक सर्जरी कराई थी। इनमें चेहरे, होंठ, अंडर आर्म्स और प्राइवेट पार्ट की सर्जरी शामिल है। यह सभी सर्जरी लखनऊ के अहिमामऊ स्थित मिनर्वा क्लिनिक में की गईं। पुलिस जांच में खुलासा हुआ कि ये सर्जरी डॉक्टर विवेक गुप्ता ने की थीं, जो खुद भी इस रैकेट में सक्रिय भूमिका निभा रहा था। 21 जून की रात सुशांत गोल्फ सिटी थाना पुलिस ने ओमेक्स हजरतगंज अपार्टमेंट के फ्लैट नंबर-527 पर छापा मारा था। यहां से उज्बेकिस्तान की दो युवतियां — होलिडा और नीलोफर को गिरफ्तार किया गया। दोनों भारत में अवैध रूप से रह रही थीं और लोला के रैकेट में शामिल थीं। पूछताछ में सामने आया कि फ्लैट डॉक्टर विवेक गुप्ता का है और वह लोला व त्रिजिन के साथ मिलकर इस रैकेट को चला रहा था। फिलहाल तीनों फरार हैं और उनकी तलाश में पुलिस टीमें लगी हुई हैं। पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि लोला भारत सीधे उज्बेकिस्तान से न आकर नेपाल के रास्ते दाखिल हुई थी। पहले उसने दिल्ली-एनसीआर में एजेंटों के जरिए काम शुरू किया और फिर केरल निवासी कथित पत्रकार त्रिजिन के संपर्क में आकर लखनऊ में ठिकाना बनाया। शुरुआत में स्पा सेंटर में काम करने के बाद उसने फ्रीलांसर के रूप में काम किया और फिर खुद का सेक्स रैकेट खड़ा कर लिया। लोला ने दिल्ली और लखनऊ में काम करने के दौरान यह समझ लिया कि भारत में विदेशी लड़कियों की अधिक मांग है। उसने उज्बेकिस्तान की युवतियों से संपर्क साधा और उन्हें भारत में मोटी कमाई का लालच देकर बुलाया। इन लड़कियों को स्पा, होटल और फ्लैट में भेजकर देह व्यापार करवाया जाता था।पुलिस के अनुसार, लोला और डॉक्टर विवेक गुप्ता की मुलाकात थाईलैंड में हुई थी। इसके बाद दोनों लखनऊ में मिलते रहे और डॉक्टर रैकेट में शामिल हो गया। वह रैकेट में शामिल लड़कियों की प्लास्टिक सर्जरी करता था ताकि उन्हें रशियन लुक दिया जा सके। लोला ने भी जवान दिखने के लिए उसी डॉक्टर से सात बार सर्जरी करवाई थी। जांच में यह भी पता चला है कि लोला का वीजा 2023 में खत्म हो गया था, जिसके बाद उसने त्रिजिन के जरिए खुद को एनआरआई बताकर लखनऊ के पते पर आधार कार्ड और ड्राइविंग लाइसेंस बनवा लिया। दस्तावेजों में पिता का नाम जनक प्रताप सिंह लिखा और एड्रेस ओमेक्स आर-वन, ऑर्चिड बी-104 दर्शाया।



सेक्स रैकेट से कमाए पैसे से लोला ने ओमेक्स आर-वन में फ्लैट नंबर 1103 भी खरीदा था, जहां से वह अपना रैकेट संचालित कर रही थी। अपार्टमेंट के गार्ड और रहवासी उसे एनआरआई समझते थे और वह इसी पहचान के साथ वहां रह रही थी।

डीसीपी साउथ निपुण अग्रवाल ने बताया कि फरार त्रिजिन और डॉक्टर विवेक गुप्ता की तलाश की जा रही है। दोनों की लोकेशन ट्रेस करने के प्रयास जारी हैं। डॉक्टर के विदेशी महिलाओं से संपर्क की भी गहराई से जांच की जा रही है।

पकड़ी गई उज्बेक युवतियों होलिडा और नीलोफर को डिपोर्ट करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। उनसे कई दौर की पूछताछ में उज्बेकिस्तान की अन्य लड़कियों के बारे में भी जानकारी मिली है। डॉक्टर विवेक गुप्ता 23 जून को भी क्लिनिक पर नहीं पहुंचा। उसके कर्मचारियों ने पारिवारिक कारणों का हवाला दिया, मगर पुलिस को संदेह है कि वह फरार है। क्लिनिक के कर्मचारी अब सिर्फ पहचान और पूरी पूछताछ के बाद ही मरीजों को भीतर आने दे रहे हैं।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक, यह रैकेट लखनऊ और दिल्ली तक ही नहीं, बल्कि उज्बेकिस्तान और थाईलैंड तक फैला हुआ है। इसमें शामिल कई विदेशी लड़कियों और उनके नेटवर्क की तलाश की जा रही है। इस मामले में आने वाले दिनों में और भी बड़े खुलासे होने की संभावना जताई जा रही है।

बाड़मेर पुलिस की ऑपरेशन धरपकड़ और संपोलिया में बड़ी कार्रवाईः ईनामी बदमाश गिरफ्तार, MD ड्रग्स बरामद



24 न्यूज अपडेट

जयपुर 25 जून। बाड़मेर पुलिस ने हाल ही में चलाए गए अपने विशेष अभियानों धरपकड़ और संपोलिया के तहत दो बड़ी सफलताएं हासिल की हैं। एक कार्रवाई में 10,000 रुपये के ईनामी बदमाश को गिरफ्तार किया गया है, वहीं दूसरी कार्रवाई में भारी मात्रा में मादक पदार्थ MD (मेथम्फेटामाइन) जब्त किया गया है।

10,000 रुपये का ईनामी गिरफ्तार

एसपी नरेंद्र सिंह मीना के निर्देशों पर जोधपुर रेंज के महानिरीक्षक पुलिस के मार्गदर्शन में पुलिस थाना रीको ने धरपकड़ अभियान के तहत एक महत्वपूर्ण गिरफ्तारी की है। एमडीपीएस एक्ट के एक पुराने मामले में पिछले लगभग एक साल से फरार चल रहे और थाने के टॉप-10 वांछित अपराधियों की सूची में शामिल आरोपी भरत कुमार वाल्मीकि पुत्र खुशी लाल निवासी गांधीनगर को दबोच लिया गया है। भरतकुमार पर 10,000 रुपये का इनाम घोषित था।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जसा राम बोस और वृताधिकारी रमेश शर्मा के सुपरविजन में थानाधिकारी थाना रीको मनोज सामरिया और उनकी टीम ने आसूचना और तकनीकी सहायता का उपयोग करते हुए गांधीनगर, बाड़मेर निवासी भरत कुमार को गिरफ्तार करने में सफलता पाई। यह गिरफ्तारी अपराधियों को पकड़ने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान की एक बड़ी कामयाबी है।

ऑपरेशन संपोलियाः 16 ग्राम से अधिक MD ड्रग्स जब्त अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान ऑपरेशन संपोलिया के तहत जिला विशेष टीम और पुलिस थाना सदर ने संयुक्त कार्रवाई में 16 ग्राम 65 मिलीग्राम अवैध मादक पदार्थ एमडी बरामद किया है।

एसपी नरेंद्र सिंह मीना ने बताया कि अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जसा राम बोस और वृताधिकारी रमेश शर्मा के सुपरविजन में यह कार्रवाई की गई। डीएसटी प्रभारी महिपाल सिंह और उनकी टीम को मिली मुखबिर की सूचना पर थानाधिकारी सदर सुमेर सिंह की टीम के साथ मिलकर रिंग रोड बाईपास एनएच-68 स्थित विकर पुलिया से महाबार रोड पर नाकाबंदी की गई।

इस दौरान एक मोटरसाइकिल का अज्ञात चालक पुलिस को देखकर घबरा गया और सड़क के किनारे एक सफेद प्लास्टिक की पुड़िया छोड़कर भाग निकला। पुड़िया की जांच करने पर उसमें 16 ग्राम 65 मिलीग्राम मादक पदार्थ एमडी ड्रग पाई गई। जिसे जब्त कर थाना सदर पर एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच की जा रही है। इस अभियान में आसूचना अधिकारी कांस्टेबल शंकर सिंह ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

करीब 3 साल से फरार गैर इरादतन हत्या का मुख्य आरोपी सागर सिंह राजपूत गिरफ्तार



24 न्यूज अपडेट

जयपुर 25 जून। करौली पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए करीब तीन साल से फरार चल रहे गैर इरादतन हत्या के मुख्य आरोपी सागर सिंह राजपूत को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी घटना के बाद से ही पुलिस की गिरफ्त से बाहर था। आरोप है कि सागर सिंह राजपूत और उसके भाई शिव सिंह राजपूत ने मिलकर अपने ही भाई भीम सिंह की गैर इरादतन हत्या की थी और फिर चतुराई से अपराध को छिपाने के लिए अपने ही गांव के अन्य लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवा दी थी।

एसपी बृजेश ज्योति उपाध्याय ने बताया कि यह मामला 14 दिसंबर 2021 का है। परिवादी राहुल सिंह पुत्र कप्तान सिंह ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय में एक परिवाद दायर किया। परिवाद में बताया गया कि 3 दिसंबर 2021 की रात उसका भाई भीम सिंह उर्फ लालू जब अटा से घर लौट रहे थे, तब वीरेंद्र, रविंद्र और मंजू देवी ने उन्हें अपने घर बुलाकर बेरहमी से पीटा। मारपीट के दौरान वीरेंद्र ने भीम सिंह के सिर में लाठी से गंभीर वार किया, जिससे वह बेहोश हो गया।

इसके बाद वीरेंद्र ने हमारे घर फोन कर कहा कि भीम सिंह झगड़ा कर रहा है और अगर उसे तुरंत नहीं ले गए तो जान से मार देंगे। जब हम भीम सिंह को लेने पहुंचे, तो वह दर्द से कराह रहे थे और उन्होंने वीरेंद्र द्वारा सिर में लाठी मारने और अन्य लोगों द्वारा मारपीट करने की बात कही। घर लाने के बाद भीम सिंह को सिर दर्द की दवा दी गई, जिससे उन्हें थोड़ी राहत मिली।

तीसरे दिन अचानक भीम सिंह की तबीयत बिगड़ गई और उनके मुंह से खून आने लगा। उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां से जयपुर रेफर कर दिया गया। जयपुर में इलाज के दौरान सीटी स्कैन से पता चला कि उनके सिर में अंदरूनी गंभीर चोट थी। 9 दिसंबर 2021 को सुबह 4:09 बजे इलाज के दौरान भीम सिंह की मृत्यु हो गई।

मृतक भीम सिंह उर्फ लालू की गैर इरादतन हत्या में सागर सिंह राजपूत पुत्र कप्तान सिंह (30) और उसके भाई शिव सिंह राजपूत पुत्र कप्तान सिंह निवासी अजीतसिंह का पुरा, थाना सदर पर जुर्म प्रमाणित होने पर इन मुलजिमों की तलाश के आदेश दिए।

एसएचओ सदर रामदीन शर्मा के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। यह टीम लगातार फरार आरोपियों की तलाश में जुटी हुई थी।मंगलवार 24 जून को थानाधिकारी शर्मा मय जाप्ता के साथ अजीतसिंह का पुरा इलाके में मुलजिमों की तलाश कर रहे थे। तभी उन्होंने देखा कि एक व्यक्ति पुलिस जाप्ता को देखकर भागने लगा। पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए उसे घेराबंदी कर पकड़ लिया। पूछताछ में उसने अपनी पहचान सागर सिंह बताई। पुष्टि होने पर सागर सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया है और उसे आज न्यायालय में पेश किया जाएगा।

ऑनलाइन गेमिंग की आड़ में 400 करोड़ की साइबर ठगी का खुलासा, 2 शातिर गिरफ्तार



24 न्यूज अपडेट

राजस्थान पुलिस की साइबर अपराध के खिलाफ लगातार चल रही कार्रवाई के तहत एक बड़ी सफलता मिली है. भरतपुर रेंज कार्यालय की टीम ने ऑनलाइन गेमिंग और इन्वेस्टमेंट के झांसे में फंसाकर देशभर में 400 करोड़ रुपए से अधिक की साइबर ठगी करने वाले गैंग के 2 सक्रिय सदस्यों को गिरफ्तार किया है. ये दोनों आरोपी साइबर ठगी नेटवर्क के कुख्यात सरगनाओं शशिकांत और रोहित दुबे के करीबी और पुराने साथी हैं. भरतपुर आईजी राहुल प्रकाश ने बताया कि टीम ने नई दिल्ली निवासी आरोपी रोहित शर्मा (28) और बेंगलुरु के अनूप श्रीवास्तव (40) को गिरफ्तार किया है. दोनों आरोपी गिरोह के मुख्य सरगनाओं के बचपन के साथी हैं और शुरू से ही इस ठगी नेटवर्क में सक्रिय भूमिका निभा रहे थे. रोहित शर्मा तकनीकी काम संभालता था, जबकि अनूप श्रीवास्तव फर्जी कंपनियों को जोड़ने (ऑनबोर्डिंग) का काम देखता था.

ठगी का खुलासा ऐसे हुआः 6 मार्च, 2025 को धौलपुर साइबर थाना में हरीसिंह नाम के व्यक्ति ने 1930 हेल्पलाइन पर फिनो पेमेंट बैंक के खाते से धोखाधड़ी की शिकायत दर्ज करवाई. जब रेंज साइबर वॉर रूम द्वारा इस शिकायत की जांच की गई, तो यह चौंकाने वाला तथ्य सामने आया कि उसी बैंक खाते के खिलाफ पहले से 3000 से अधिक शिकायतें दर्ज थीं, जो अब बढ़कर 4000 से भी अधिक हो चुकी हैं. मामले की गंभीरता को देखते हुए साइबर थाना धौलपुर में तत्काल प्राथमिकी दर्ज की गई. इसके बाद यह मामला रेंज कार्यालय को सौंपा गया और निरीक्षक महेन्द्र सिंह के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई.

ऐसे करते ठगीः आईजी ने बताया कि इस ठगी गिरोह ने एबंडेंस पेमेंट सॉल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड (ट्रायपे) नाम की फर्जी कंपनी बनाई, जिसका मुख्यालय बेंगलुरु में था. आरोपी अनूप श्रीवास्तव फर्जी कंपनियों को जोड़ने का कार्य देखता था. जबकि रोहित शर्मा तकनीकी संचालन जैसे सर्वर, पेमेंट लिंक और ट्रांसफर की जिम्मेदारी संभालता था. ये लोग सीधे कंपनियों से संपर्क नहीं करते थे, बल्कि बिचौलिए (रिसेलर) के माध्यम से काम करते थे. कंपनी के पास लगभग 25 फर्जी कंपनियां थीं, जिनके खातों को शशिकांत और रोहित दुबे नियंत्रित करते थे. इन खातों से पे-इन से लेकर पे-आउट तक का संचालन उन्हीं के पास था. गिरोह के सदस्य ऑनलाइन गेम और उच्च रिटर्न वाले निवेश का झांसा देकर लोगों से पैसे ठगते थे.

आईजी भरतपुर रेंज राहुल प्रकाश ने बताया कि यह कार्रवाई साइबर अपराध के खिलाफ एक बड़ी सफलता है. गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ जारी है और आने वाले दिनों में इस गिरोह से जुड़े और भी कई चौंकाने वाले खुलासे होने की संभावना है. यदि किसी व्यक्ति को ऑनलाइन गेम, निवेश या लॉटरी के नाम पर संदिग्ध लिंक या कॉल प्राप्त हो, तो तुरंत 1930 साइबर हेल्पलाइन पर संपर्क करें और ठगी से बचें.

11 साल बाद इनामी लुटेरा गिरफ्त में: 15 हजार के इनामी शाहिद मेव को एजीटीएफ राजस्थान की टीम ने दबोचा



24 न्यूज अपडेट

जयपुर 25 जून। एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स पुलिस मुख्यालय की टीम को को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। टीम ने 11 साल पहले भीलवाड़ा के माण्डलगढ़ थाना क्षेत्र में हुई एक लूट के मामले में फरार चल रहे 15,000 के इनामी बदमाश शाहिद मेव पुत्र अब्दुल करीम को डूंगरपुर जिले के रतनपुर बॉर्डर से धर दबोचा है। हरियाणा के नुहू जिले का रहने वाला यह शातिर अपराधी इतने लंबे समय से पुलिस की गिरफ्त से बच रहा था।

अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस अपराध शाखा एवं एजीटीएफ श्री दिनेश एम.एन. के निर्देश पर लगातार इनामी अपराधियों और अवैध मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ एजीटीएफ सक्रिय अभियान चला रही है। इसी कड़ी में उपमहानिरीक्षक पुलिस श्री योगेश यादव एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री सिद्धांत शर्मा के सुपरविजन और पुलिस निरीक्षक श्री सुभाष सिंह के कुशल नेतृत्व में गठित एक विशेष टीम ने इस जटिल ऑपरेशन को अंजाम दिया।

शातिर अपराधी की लंबी फरारी का अंत

एडीजी श्री एमएन ने बताया कि 2014 की लूट का यह इनामी आरोपी पिछले एक दशक से अधिक समय से ओडिशा, कर्नाटक, पश्चिम बंगाल, हैदराबाद और तमिलनाडु जैसे राज्यों में वाहन चलाकर फरारी काट रहा था। वह इतना चालाक था कि कभी अपना मोबाइल फोन इस्तेमाल नहीं करता था, बल्कि अपने साथियों के फोन का उपयोग करता था, जिससे उसका पता लगाना बेहद मुश्किल हो रहा था। फरारी के दौरान वह शिमला में भी एक बार जेल जा चुका था।

एजीटीएफ टीम ने जमीनी स्तर पर सूचनाएं जुटाईं और आरोपी का लगातार पीछा किया। इसी दौरान टीम के सदस्य एएसआई शंकर दयाल शर्मा, हेड कांस्टेबल कमल सिंह कांस्टेबल रतिराम और कांस्टेबल चालक सुरेश कुमार को पता चला कि शाहिद राजस्थान आया हुआ है और गुजरात भागने की फिराक में है। अथक प्रयासों और लंबी मशक्कत के बाद टीम ने आखिरकार उसे डूंगरपुर के रतनपुर बॉर्डर पर घेर लिया और डिटेन कर लिया। आरोपी के बारे में थाना मांडलगढ़ पुलिस को सूचित किया जा चुका है।

2014 में 20 हजार लूटकर हुआ था फरार

यह मामला 5 दिसंबर, 2014 का है। पीड़ित भंवरलाल धाकड़ ने माण्डलगढ़ स्थित एसबीआई बैंक के एटीएम से 20,000 निकाले थे। तभी दो-तीन युवकों ने उन पर हमला कर रकम लूट ली और फरार हो गए। घटना के तुरंत बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए हरियाणा निवासी एक आरोपी मोबिन उर्फ खुटा मेव को उसी समय होड़ा गांव में गिरफ्तार कर लिया था, लेकिन शाहिद मेव और जमशेद मेव फरार होने में कामयाब रहे थे। भीलवाड़ा पुलिस अधीक्षक ने इन दोनों फरार आरोपियों पर 15-15 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था। शाहिद अलवर में भी लूट के प्रकरण में वांछित है और दूदू में लूट के मामले में गिरफ्तार हो चुका है।

टीम वर्क और कुशल नेतृत्व की जीतः इस पूरी कार्रवाई में एएसआई शंकर दयाल शर्मा, हैड कांस्टेबल कमल सिंह, कांस्टेबल रतिराम और चालक सुरेश कुमार की अहम भूमिका रही। वहीं हैड कांस्टेबल सुरेश कुमार, नरेंद्र सिंह और कांस्टेबल नरेश कुमार ने भी सराहनीय सहयोग दिया। पुलिस निरीक्षक सुभाष सिंह तंवर का कुशल नेतृत्व इस लंबी और चुनौतीपूर्ण गिरफ्तारी को सफल बनाने में निर्णायक साबित हुआ।

जम्मूतवी–भगत की कोठी रेलसेवा अब नये नंबर से चलेगी, कई ट्रेनों की समय सारिणी में आंशिक बदलाव



24 न्यूज अपडेट

नई दिल्ली/उदयपुर। उत्तर पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा और परिचालनात्मक व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के उद्देश्य से जम्मूतवी–भगत की कोठी–जम्मूतवी रेलसेवा को अब नए ट्रेन नंबर के साथ संचालित किया जाएगा। साथ ही इस ट्रेन सहित कुल 8 रेलसेवाओं के संचालन समय में आंशिक परिवर्तन किया गया है, जो 24 अगस्त से 29 अगस्त 2025 के बीच लागू होगा।

नई गाड़ी संख्या और समय में बड़ा बदलाव

जम्मूतवी–भगत की कोठी रेलसेवा (वर्तमान संख्या 19226) को अब नए गाड़ी संख्या 14804 से चलाया जाएगा। यह ट्रेन 26 अगस्त 2025 से जम्मूतवी से रात 21.00 बजे के स्थान पर सुबह 08.40 बजे रवाना होगी और अगले दिन रात 20.30 बजे के स्थान पर सुबह 09.30 बजे भगत की कोठी पहुंचेगी।

अन्य रेलसेवाओं में आंशिक समय परिवर्तन इस प्रकार हैः

गाड़ी संख्या 14722 – अबोहर–जोधपुर एक्सप्रेस (26 अगस्त 2025 से)

बीकानेर, देशनोक, नोखा, नागौर व मारवाड़ मूंडवा स्टेशनों पर नए समय अनुसार संचालित होगी।

गाड़ी संख्या 22463 – दिल्ली सराय–बीकानेर सुपरफास्ट एक्सप्रेस (29 अगस्त 2025 से)

इस ट्रेन के नोखा और देशनोक स्टेशनों पर संचालन समय बदला गया है।

गाड़ी संख्या 15909 – डिब्रूगढ़–लालगढ़ एक्सप्रेस (24 अगस्त 2025 से)

सूरतगढ़, महाजन, लूनकरनसर और लालगढ़ स्टेशनों पर समय संशोधित किया गया है।

गाड़ी संख्या 22997 – झालावाड़ सिटी–श्रीगंगानगर एक्सप्रेस (27 अगस्त 2025 से)

यह ट्रेन बीकानेर, लालगढ़, लूनकरनसर और महाजन स्टेशनों पर बदले हुए समय से चलेगी।

गाड़ी संख्या 14888 – बाड़मेर–ऋषिकेश एक्सप्रेस (26 अगस्त 2025 से)

बठिंडा स्टेशन पर इस ट्रेन का नया आगमन समय 23:20 बजे और प्रस्थान समय 23:45 बजे रहेगा। पूर्व में यह आगमन 23:10 और प्रस्थान 23:35 था।

यात्रियों के लिए सुझाव

रेलवे प्रशासन ने यात्रियों से अनुरोध किया है कि यात्रा से पहले संबंधित ट्रेनों की अद्यतन समय सारणी की जानकारी रेलवे की आधिकारिक वेबसाइट, हेल्पलाइन या स्टेशन से प्राप्त कर लें, ताकि किसी भी असुविधा से बचा जा सके।

MLSU गुरूर का सुरूरः फायर नोटिस को 'फ्लोवर नोटिस' समझ बैठे, अब ताले लगने की आ गई नौबत



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय प्रशासन की लापरवाही अब कॉलेज पर ताले डलवाने की कगार पर पहुँच गई है। नगर निगम उदयपुर के अग्निशमन विभाग ने विश्वविद्यालय को 28 अप्रैल 2025 को फायर सेफ्टी मापदंडों की अनुपालना को लेकर जो नोटिस भेजा था, उसे एमएलएसयू प्रशासन ने जैसे कोई सजावट का आमंत्रण पत्र समझ लिया। न नज़र डाली, न कार्रवाई की। परिणामस्वरूप अब स्थिति यह है कि नगर निगम ने परिसर को सील करने की चेतावनी दे दी है। परीक्षा के दौरान लगी आग, कॉलेज में नहीं थे अग्निशमन यंत्र एमएलएसयू की लापरवाही का खामियाजा हाल ही में छात्रों को भुगतना पड़ा जब शुक्रवार को आर्ट्स कॉलेज के विद्युत मीटर में अचानक आग लग गई। घटना उस समय हुई जब शाम 3 से 6 बजे की परीक्षा पारी चल रही थी। करीब एक हजार विद्यार्थी परीक्षा में बैठे हुए थे। आग फैलती उससे पहले ही विश्वविद्यालय कर्मचारियों ने बिजली का कनेक्शन काटकर हालात संभाले। लेकिन हैरानी की बात यह रही कि कॉलेज में एक भी अग्निशमन यंत्र (एक्सटिंगुइशर) मौजूद नहीं था, और डीजी सेट भी काम नहीं कर रहा था, जिससे पूरे कॉलेज को अंधेरे में परीक्षा करानी पड़ी। सूत्रों के अनुसार, आर्ट्स कॉलेज विश्वविद्यालय का सबसे बड़ा कॉलेज है, इसके बावजूद फायर सेफ्टी को लेकर जीरो तैयारी है। इस हालिया घटना ने फायर विभाग द्वारा पहले से भेजे गए नोटिस की गंभीरता को और पुष्ट कर दिया है।

15 दिन में नहीं सुधरे तो लग सकता है ताला

फायर विभाग के ताज़ा नोटिस में स्पष्ट किया गया है कि यदि 15 दिन में अग्निशमन मापदंडों के अनुरूप उपकरण नहीं लगाए गए और Fire NOC प्राप्त नहीं की गई, तो राजस्थान नगर पालिका अधिनियम 2009 की धारा 294(7)(एफ) के अंतर्गत परिसर को सीज किया जा सकता है। जिम्मेदारी विश्वविद्यालय प्रशासन की होगी।

विश्वविद्यालय के 'गुरूर' की बड़ी कीमत?

फायर नोटिस जैसे गंभीर विषय पर विश्वविद्यालय का यह ढुलमुल रवैया शिक्षा से अधिक प्रशासनिक अहंकार का परिचायक बनता दिख रहा है। हज़ारों विद्यार्थियों की सुरक्षा को लेकर प्रशासन की चुप्पी न केवल गैर-जिम्मेदाराना है, बल्कि कानूनन दंडनीय भी है।

क्या छात्रसंघ या फैकल्टी आवाज़ उठाएंगे?

अब सवाल यह है कि जब मामला कॉलेज पर ताले की नौबत तक पहुँच गया है, तब क्या शिक्षक, छात्रसंघ या छात्र संगठन इस पर आवाज़ उठाएंगे? या यह लापरवाही अगली बार किसी बड़ी दुर्घटना के बाद ही सुधरेगी?

सच्चा सुख आत्मिक गुणों की प्राप्ति में है : जैनाचार्य रत्नसेन सूरीश्वर महाराज



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 25 जून। अम्बामाता स्थित महावीर साधना एवं स्वाध्याय समिति में चल रही धर्मसभा में जैनाचार्य श्रीमद् विजय रत्नसेन सूरीश्वर महाराज ने प्रवचन देते हुए कहा कि सच्चा सुख भौतिक पदार्थों में नहीं, बल्कि आत्मा के अनंत गुणों की प्राप्ति में है। उन्होंने कहा कि जैसे प्यास बुझाने के लिए खारा पानी पीने से प्यास और बढ़ती है, वैसे ही भौतिक सुखों की लालसा अंतहीन दुख का कारण बनती है। उन्होंने कहा कि जीवन में वास्तविक आनंद आत्मिक साधना से ही संभव है। तीर्थंकरों ने राजमहल त्यागकर जंगलों में जाकर साधना की और आत्मिक पूर्णता प्राप्त कर मोक्ष का मार्ग बताया।

इस अवसर पर कोषाध्यक्ष राजेश जावरिया, समिति अध्यक्ष प्रकाशचंद्र कोठारी, फतेह सिंह मेहता, ललित धूपिया, गजेन्द्र, जसवंत सिंह सुराणा और रणजीत सिंह सहित समिति के अनेक पदाधिकारी व श्रद्धालु उपस्थित रहे।

रथयात्रा पर दोपहर बाद रहेगा राजकीय अवकाश, हरियाली अमावस्या पर अब आधे दिन की छुट्टी



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। भगवान जगन्नाथ की वार्षिक रथयात्रा को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियों के साथ-साथ अवकाश संबंधी आदेशों में भी संशोधन जारी किए हैं। 27 जून को निकलने वाली जगन्नाथ रथयात्रा के दिन मध्याह्न पश्चात (दोपहर बाद) पूरे जिले में राजकीय अवकाश रहेगा। साथ ही कलेक्टर नमित मेहता ने हर साल तय दो अधिकृत छुट्टियों में बदलाव करते हुए हरियाली अमावस्या पर अब आधा दिन (दोपहर बाद) अवकाश घोषित किया है, जबकि जलझूलनी एकादशी पर पूर्ववत पूरा दिन अवकाश लागू रहेगा। रथयात्रा की तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच चुकी हैं। बुधवार को प्रशासन, पुलिस, नगर निगम, स्मार्ट सिटी, यात्रा समिति व अन्य विभागों के अधिकारियों ने यात्रा मार्ग का पैदल निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और मौके पर निर्देश जारी किए। मंगलवार को सभी संबंधित पक्षों की प्रशासनिक बैठक भी सम्पन्न हुई थी। रथयात्रा 27 जून को दोपहर 3 बजे जगदीश मंदिर से प्रारंभ होगी। प्रशासन ने मार्ग, नियम और व्यवस्थाएं पहले से तय कर ली हैं। इस बार डीजे पर खड़े होकर नाचने पर प्रतिबंध, जगदीश चौक क्षेत्र में बड़े होर्डिंग्स की मनाही, तथा पूरी यात्रा में प्लास्टिक के उपयोग पर रोक जैसे नियम लागू रहेंगे, जिससे पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया जा सकेगा। मंदिर परिसर में तैयारियां जोरों पर हैं और रथ को अंतिम रूप दिया जा चुका है। बुधवार शाम को रथ के दर्शन के साथ भव्य भजन संध्या का आयोजन भी प्रस्तावित है, जिसमें शहरभर से श्रद्धालु बड़ी संख्या में जुटेंगे।

कौन सुनेगा मरीजों की मायूसी भरे आहें?? डेडलॉक का 7वां दिन भूख हड़ताल के नाम, कंपलीट प्रशासनिक-राजनीतिक फैल्योर, छूट नहीं रहा कुर्सी का 'फेवीक्विक' वाला मोह



24 न्यूज अपडेट

एमबी हॉस्पिटल के हॉस्टल में करंट से डाक्टर रवि शर्मा की मौत हुए आज 7 दिन हो गए हैं। ना हड़ताल टूट रही है ना कॉलेज प्रशासन मानने को तैयार है। आज रेजिडेंट्स की भूख हड़ताल शुरू हो गई है जो तब तक जारी रहने वाली है जब तक मांगें नहीं मानी जाती। धरने का दायरा आज और अधिक व्यापक हो गया है। रेजिडेंट्स का कॉन्फिडेंस अन्य कई संगठनों का साथ मिलने से और अधिक बढ़ गया है। इधर, पॉलिटिकल इटरेस्ट रखने वालों और अस्पताल के मामलों में अपने आर्थिक हित साधने वालों के साथ ही एडमिनिस्ट्रिटेटिव लेवल पर भी हड़ताल को मैनेज करने के प्रयास तेज हो गए हैं। स्टूडेंट्स को अटेंडेंस और उनके कॅरियर के नाम पर डराया जा रहा है। लेकिन रेजिडेंट एसोसिएशन का कहना है कि यह डिसाइसिव मोमेंट है। अभी नहीं तो कभी नहीं। आज अगर पीछे हटे तो आने वाली पीढ़ियों को क्या जवाब देंगे। यह सही भी है क्योंकि सब जानते हैं कि डाक्टर रवि की मौत करंट से हुई है। कॉलेज प्रशासन ना जाने किस गुरूर में आकर दिखता हुआ सच झूठ साबित करने पर तुला हुआ है। उसे लगता है कि जैसे जैसे दिन बीतते जाएंगे, आंदोलन ठंडा पड़ता जाएगा। बात आई गई हो जाएगी। लेकिन ऐसा हो नहीं रहा है। असंतोष की आग और अधिक भड़क रही है। यही नहीं यह असंतोष की आग अब तो लोकल पॉलिटिक्स को भी एक्सपोज कर रही है। पिछले 7 दिन में एक भी नेता या जन प्रतिनिधि बताइये जिसने यह चिंता की हो कि हड़ताल के चलते जिन लोगों के गंभीर ऑपरेशन टाल दिए गए उनका क्या हुआ। दूर दराज के गांव या अन्य राज्यों से आए मजबूर और लाचार मरीज का क्या हुआ? इलाज नहीं मिलने से मयूस हुए हजारों गरीब लोगों का क्या हुआ? या फिर प्राइवेट अस्पतालों में जाने को मजबूर हुए सीमित आमदनी वाले लोगों का क्या हुआ। सच तो ये है कि हमारे जन प्रतिनिधियों, नेताओं और पूरी की पूरी ब्यरोक्रेसी को इससे कोई फर्क नहीं पड़ा है। सबके अपने अपने हित सध रहे हैं। तो फिर जनता की कौन सुनेगा? अस्पताल अधीक्षक की कुर्सी पर ऐसा कौनसा फेविकॉल या क्विक फिक्स लगा हुआ है डाक्टर साहब अपना पद ही नहीं छोड़ना चाह रहे हैं। जांच और डाक्टर रवि को न्याय की बात तो बहुत दूर है। हॉस्पिटल की अत्यावश्यक सेवाएं तक बहाल करवाने का किसी में भी इकबाल नहीं रह गया है। आज हड़ताल का नौवा दिन है और अगर हड़ताल लंबी खिंच गई तो स्थिति और अधिक भयावह हो जाएगी। ऐसे में बड़े नेताओं की चरण वंदनाओं में उलझे जन प्रतिनिधियों और नेताओं की चरण वंदनाओं में व्यवस्त अधिकारियों को चाहिए कि सारे काम छोड़ कर इस मामले को सुलझाएं। क्योंकि जन स्वास्थ्य के खिलवाड़ कोई मजाक नहीं है। उसके परिणाम कई बार इलेक्शन के परिणाम बदलने वाले भी हो सकते हैं।

उदयपुर में लगातार तीसरे दिन गिरा सोना-चांदी का भाव, निवेशकों की चिंता बढ़ी



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 25 जून। शहर के सर्राफा बाजार में सोने और चांदी के दाम लगातार तीसरे दिन गिरावट के साथ बंद हुए। सर्राफा एसोसिएशन उदयपुर के पदाधिकारी इंद्रसिंह मेहता द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार 23 जून से लेकर 25 जून तक सोने और चांदी की कीमतों में क्रमिक कमी देखने को मिली है, जिससे निवेशकों के साथ-साथ व्यापारियों में भी हलचल है। 23 जून को सोना स्टैंडर्ड (999) 1,00,000 रुपये प्रति 10 ग्राम पर दर्ज किया गया था, जो 24 जून को घटकर 99,200 रुपये रह गया और 25 जून को और गिरकर 98,800 रुपये पर आ गया। इसी प्रकार सोना जेवराती (23 कैरेट) का भाव 23 जून को 96,000 रुपये था, जो 24 जून को घटकर 95,230 रुपये हुआ और 25 जून को 94,850 रुपये पर पहुंच गया। सोने की 22 कैरेट शुद्धता वाली श्रेणी भी इस गिरावट से अछूती नहीं रही। यह 23 जून को 92,000 रुपये थी, जो क्रमशः 91265 और 90895 रुपये के स्तर पर आई। चांदी के दामों में भी इसी तरह की गिरावट दर्ज की गई। 23 जून को चांदी टंच का रेट 1,06,800 रुपये प्रति किलोग्राम था, जो 24 जून को घटकर 1,05,400 रुपये हो गया और 25 जून को 1,04,750 रुपये तक आ गया। चांदी चौरसा के भाव भी 1,06,000 रुपये से घटकर 1,04,000 रुपये पर आ गए। यानी तीन दिनों में चांदी के दामों में लगभग 2,000 रुपये प्रति किलो की गिरावट देखी गई। सर्राफा बाजार के जानकारों का मानना है कि यह गिरावट अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमती धातुओं की कीमतों में नरमी, डॉलर की मजबूती और घरेलू स्तर पर मांग में अस्थायी सुस्ती के कारण आई है। हालांकि कीमतों में यह गिरावट खुदरा उपभोक्ताओं के लिए लाभकारी हो सकती है, लेकिन व्यापारियों को फिलहाल कम बिक्री का सामना करना पड़ सकता है। सोने-चांदी के इन गिरते हुए भावों ने एक ओर जहां निवेशकों को सतर्क किया है, वहीं दूसरी ओर खरीदारों के लिए यह उपयुक्त समय माना जा रहा है। आने वाले दिनों में बाजार में स्थिरता आने पर इन भावों में पुनः परिवर्तन की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता।

UDA : रानी रोड पहाड़ी पर ओपन जिम, पारस फ्लाईओवर के लिए पाइपलाइन शिफ्टिंग सहित 14 विकास कार्यों के टेंडर, सड़कों, नालों, पिकलबॉल कोर्ट और ओपन जिम का होगा निर्माण

उदयपुर विकास प्राधिकरण, राजस्थान

No.:F-2(01)Acct/Contract/2025-26/84-86 Date: 20-06-2025

ई–निविदा सूचना संख्याः 23/2025–26

उदयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा निम्नलिखित कार्यों मय डिफेक्ट लाइबिलिटी अवधि के लिये जो कि निविदा प्रपत्र में अंकित है के लिये उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत सरेदको से निर्धारित प्रपत्र में ई–टेण्डरिंग के माध्यम से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है :–

क्र. सं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाखों में)	धरोहर राशि (रूपये में) 2%	धरोहर राशि (रूपये में) ½%	निविदा प्रपत्र शुल्क	कार्य पूर्ण करने की अवधि	खण्ड
1.	Construction of Road and Drain in Conversion Colony Jyoti Nagar and New Vinayak Nagar Rev. Village Nela (Savina).	143.98	287960/-	71990/-	1180/-	6 माह	I
2.	Construction of Road and Drain in Kh.No. 1236 to 1239, 1248, 1249, 1836 Rev. Village Titardi, Udaipur	91.57	183140/-	45785/-	1180/-	6 माह	I
3.	Construction of Road and Drain in Converted Colony Aashiyana Dhara Revenue Village Biliya.	79.92	159840/-	39960/-	1180/-	5 माह	I
4.	Construction of Road in Kh.No. 1351 to 1359 and 1360 to 1368 Rev. Village Savina (Gokul Gagan Colony)	78.33	156660/-	39165/-	1180/-	3 माह	I
5.	Construction of RCC Nallah near Bank of Baroda in Sub City Center	12.61	25220/-	6305/-	590/-	3 माह	I
6.	Construction of 60ft. Road from Tekri to Radaji in RCA Commercial Scheme B-Block at Mali Colony JC Boss Road.	95.09	190180/-	47545/-	1180/-	6 माह	II
7.	Construction of 3Nos. Pickleball Court at Maharana Pratap Khel Gaon.	36.56	73120/-	18280/-	590/-	3 माह	III
8.	Construction of Speed Beakers (Bituminous) at Various Places in Div.-III (ARC).	12.46	24920/-	6230/-	590/-	12 माह	III
9.	Patch Repair Work at Various Places at Fatepura, Syphon, Rev. Village Bedla, Badgon, Lakhawali, Loyra, Thur and Bedla Khurd and Div-IV (ARC)	60.43	120860/-	30215/-	1180/-	12 माह	IV
10.	Development Work of Open Gym Pahadi at Rani Road.	29.98	59960/-	14990/-	590/-	4 माह	IV
11.	Hiring Water Pump with Operator and Tractor Trolley for Flood Control.	6.58	13160/-	3290/-	590/-	3 माह	Elect.
12.	Providing, Laying, Jointing, Testing and Commissioning of Pipe Line and Water Related Works Under UDA (ARC)	149.93	299860/-	74965/-	1180/-	12 माह	Water
13.	Shifting of Various Water Supply Pipeline under Alignment of Paras	65.28	130560/-	32640/-	1180/-	6 माह	Water

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर विकास प्राधिकरण (UDA) ने वर्ष 2025–26 के लिए विभिन्न विकास कार्यों हेतु 14 नए टेंडर जारी किए हैं। इन कार्यों में सड़कों और नालों के निर्माण, पिकलबॉल कोर्ट, ओपन जिम, स्पीड ब्रेकर, जलापूर्ति पाइपलाइन शिफ्टिंग और फ्लड कंट्रोल की व्यवस्थाएं शामिल हैं। सभी कार्यों के लिए ऑनलाइन टेंडर आमंत्रित किए गए हैं। UDA की ओर से 20 जून 2025 को जारी निविदा क्रमांक 23/2025-26 के अनुसार ये सभी कार्य 2 से 12 माह की समयावधि में पूरे किए जाने हैं। कुल मिलाकर इन विकास कार्यों की अनुमानित लागत करीब 9.5 करोड़ रुपये से अधिक है। प्रमुख कार्यों में ज्योति नगर व विनायक नगर (नेला) में सड़क व नाली निर्माण, टिटारडी गांव में खसरा संख्या 1236 से 1836 तक सड़क निर्माण, आशियाना धरा (बिलिया) कॉलोनी में सड़कों का कार्य, सवीना स्थित गोकुल गगन कॉलोनी में सड़क निर्माण, सब सिटी सेंटर में बैंक ऑफ बड़ौदा के पास आरसीसी नाला, माली कॉलोनी जेसी बॉस रोड पर 60 फीट सड़क, महाराणा प्रताप खेलगांव में 3 पिकलबॉल कोर्ट, रानी रोड पहाड़ी पर ओपन जिम का निर्माण, विभिन्न स्थानों पर बिटुमिनस स्पीड ब्रेकर और फ्लड कंट्रोल के लिए पानी की मोटर व ट्रैक्टर ट्रॉली की हायरिंग शामिल हैं। इसके अतिरिक्त परस फ्लाईओवर और सिसारमा–नांदेश्वर रोड चौड़ीकरण के कार्यों के चलते जलापूर्ति पाइपलाइन और एयर वाल्व चेम्बर के स्थानांतरण के लिए भी टेंडर जारी किए गए हैं। सबसे बड़ी लागत वाला कार्य पाइपलाइन बिछाने, जोड़ने, परीक्षण और कमीशनिंग का है जिसकी लागत लगभग 1.5 करोड़ रुपये है। सभी टेंडर ऑनलाइन माध्यम से ही आमंत्रित किए गए हैं। टेंडर डाउनलोड और जमा करने की अंतिम तिथि 2 जुलाई 2025 को शाम 6 बजे तक रखी गई है तथा इनकी तकनीकी निविदाएं 3 जुलाई को सुबह 11 बजे खोली जाएंगी।प्राधिकरण ने यह भी स्पष्ट किया है कि वह किसी भी निविदा को बिना कारण बताए स्वीकार या अस्वीकार करने के लिए स्वतंत्र है। सभी निविदाएं RTPP नियमों के अंतर्गत मानी जाएंगी। UDA के इस कदम से स्पष्ट है कि शहरी ढांचे को सुदृढ़ करने, नागरिक सुविधाओं को आधुनिक स्वरूप देने और स्मार्ट इंफ्रास्ट्रक्चर के लक्ष्य को पाने के लिए प्राधिकरण तेजी से काम कर रहा है।

अजमेर रॉयल्स बनी राजस्थान खो-खो लीग की चैंपियन, मस्कट 'सुल्तान' रहा आकर्षण का केंद्र



24 न्यूज अपडेट

अजमेर। राजस्थान खो-खो संघ व दयानंद महाविद्यालय अजमेर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित राजस्थान खो-खो लीग का खिताब इस बार अजमेर रॉयल्स टीम ने जीतकर अपने नाम किया। लीग का समापन समारोह रंगारंग कार्यक्रमों के साथ संपन्न हुआ, जिसमें राजस्थान लोक सेवा आयोग के सदस्य कर्नल केसरी सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अध्यक्षता दयानंद महाविद्यालय अजमेर के प्राचार्य डॉ. लक्ष्मीकांत शर्मा ने की। समारोह के विशिष्ट अतिथियों में राजस्थान खो-खो संघ के अध्यक्ष शिवराज सिंह पलाड़ा, संघ के चेयरमैन राजेश भार्गव, पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष चंद्रभान गुर्जर, जिला खो-खो संघ अध्यक्ष रामपाल चौधरी, मायाकांत शर्मा, केसर सिंह, दीपक खींची, अर्जुन रेगर सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे। समारोह में विजेता अजमेर रॉयल्स को ट्रॉफी व गोल्ड मेडल, और उपविजेता टीम को सिल्वर मेडल व पारितोषिक प्रदान किए गए। साथ ही सभी खिलाड़ियों को मस्कट 'सुल्तान' द्वारा दुपट्टा पहनाकर सम्मानित किया गया। 'सुल्तान' लीग का मुख्य आकर्षण रहा और अतिथियों ने भी इसके अनोखे प्रस्तुतीकरण की सराहना की। प्रत्येक टीम से बेस्ट अटेकर और बेस्ट डिफेंडर को भी विशेष सम्मान दिया गया। अजमेर रॉयल्सः बेस्ट डिफेंडर – मनीष कुमार, बेस्ट अटेकर – दीपांशु मीणा टोंक योद्धाः डिफेंडर – नजीर खान, अटेकर – हरिश मोहम्मद रणथंभौर टाइगर्सः डिफेंडर – तेजराम मीणा, अटेकर – विक्रम जोधपुर वॉरियर्सः डिफेंडर – नीरज, अटेकर – संजय नागौर बुल्सः डिफेंडर – सतपाल, अटेकर – प्रशांत शेखावाटी सोल्जर्सः डिफेंडर – अभिषेक, अटेकर – प्रशांत शर्मा कार्यक्रम का आयोजन जोश, उमंग और पारंपरिक खेल के सम्मान के साथ संपन्न हुआ।आयोजको ने इसे हर वर्ष बड़े स्तर पर आयोजित करने की प्रतिबद्धता जताई।

24 न्यूज़ अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक - सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा ।